

COVID-19 पोल

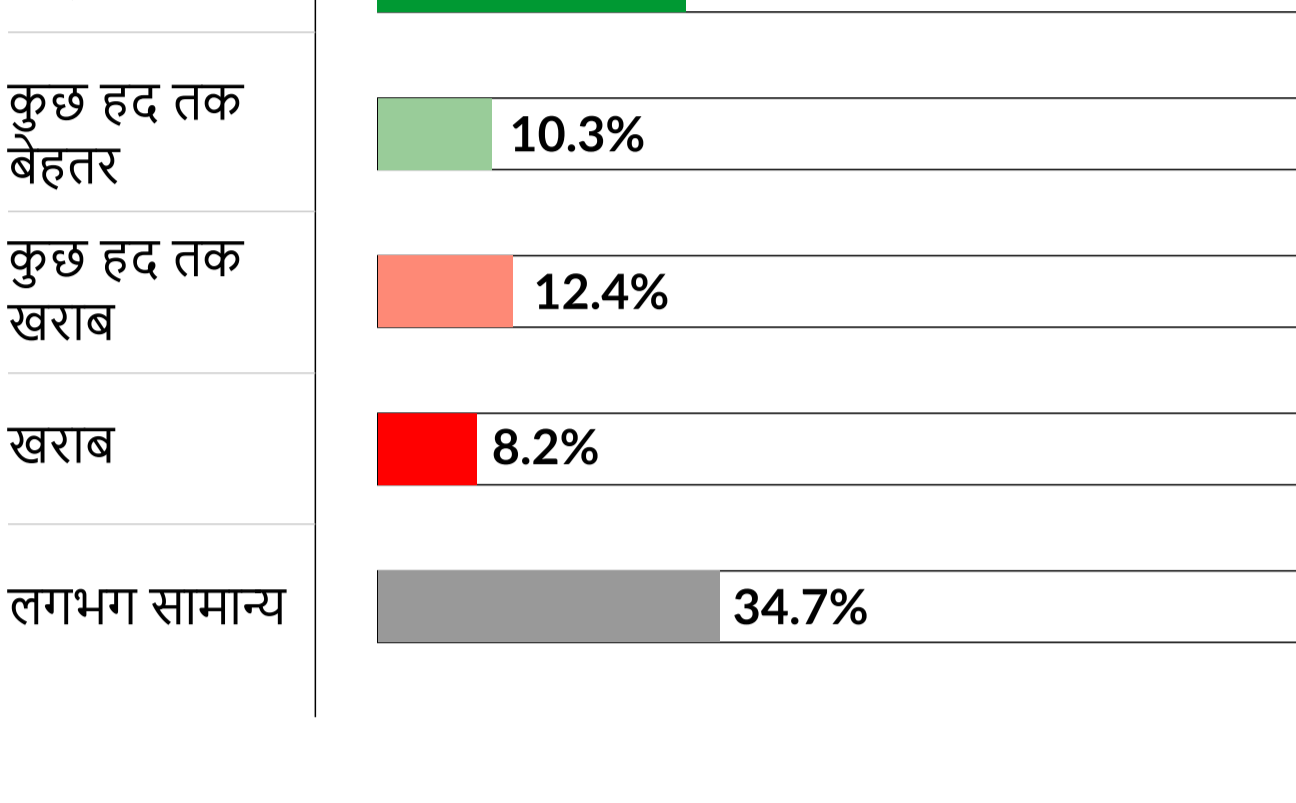
कोरोनावायरस लॉकडाउन के दौरान भारतीयों का मानसिक स्वास्थ्य कैसे बदला है?

टीम CVoter ने जून 2020 में देश भर में भारतीयों पर कोरोनावायरस वायरस की महामारी और लॉकडाउन के प्रभाव को समझने के लिए कई सर्वेक्षण किए। इन्फोग्राफिक्स की इस श्रृंखला में, टीम पोलस्ट्रेट ने देश भर में भारतीयों के मानसिक स्वास्थ्य के समग्र स्तर में बदलावों का विश्लेषण किया है जिसमें पिछले 3 महीनों में लोगों में तनाव और चिंता बढ़ने के मुख्य कारण जैसे अकेलापन, अनिश्चितता का डर, आय का नुकसान, घरेलू हिंसा के डर के साथ-साथ लोगों द्वारा सहयोग के लिए उठाए गए कदम शामिल हैं।

कुल मिलाकर, लगभग 20.6% भारतीयों ने कोरोनावायरस महामारी से पहले की तुलना में अब अपने मानसिक स्वास्थ्य में कुछ गिरावट दर्ज की बात स्वीकार की है। इसी समय, लगभग 34.7% उत्तरदाताओं ने भी कोरोनावायरस महामारी से पहले की तुलना में अब अपने मानसिक स्वास्थ्य में कोई बदलाव नहीं होने की बात कही है।



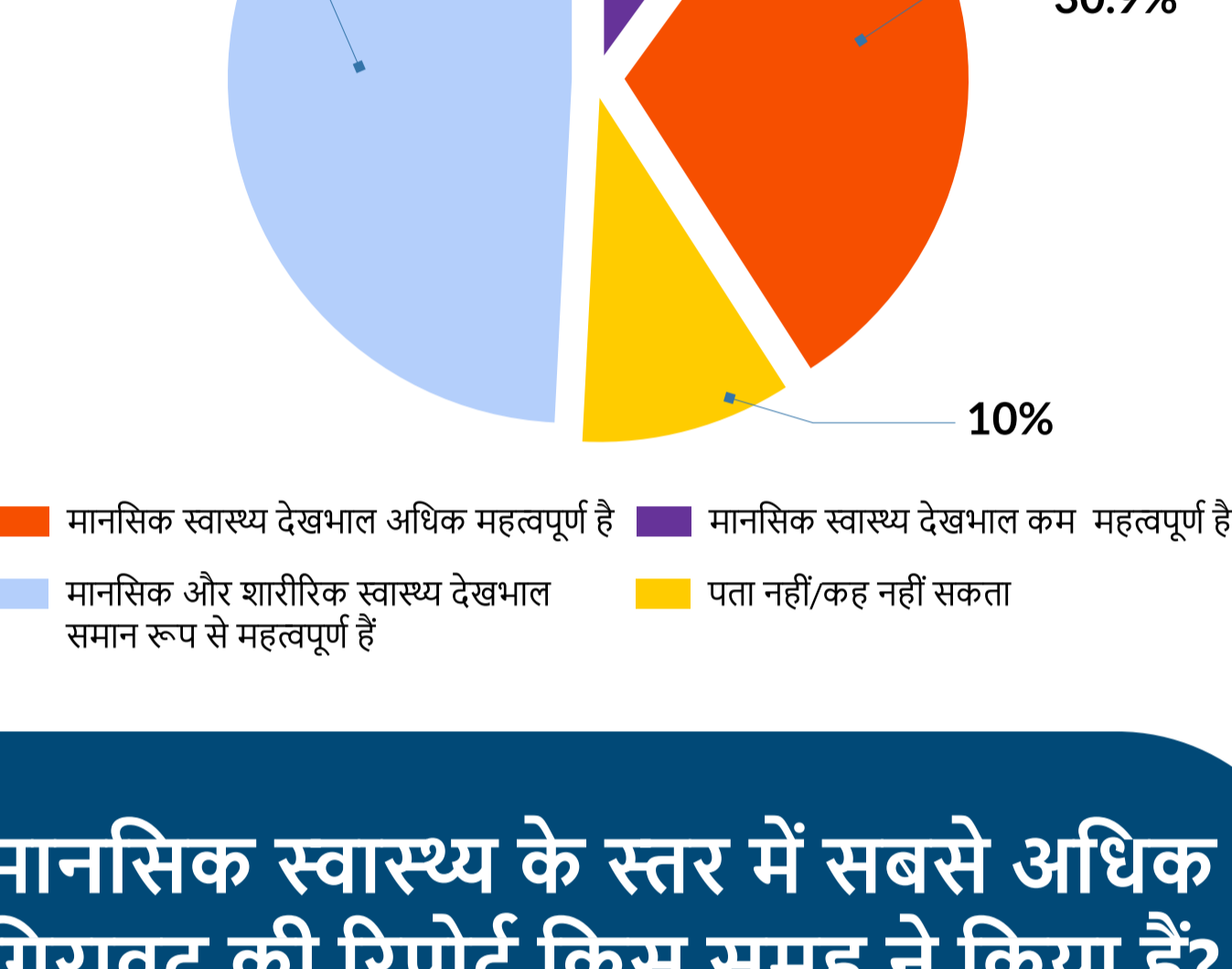
क्या आज आपका मानसिक स्वास्थ्य कुछ हद तक बेहतर है, कुछ हद तक खराब, खराब या Covid-19 महामारी से पहले जैसा है?



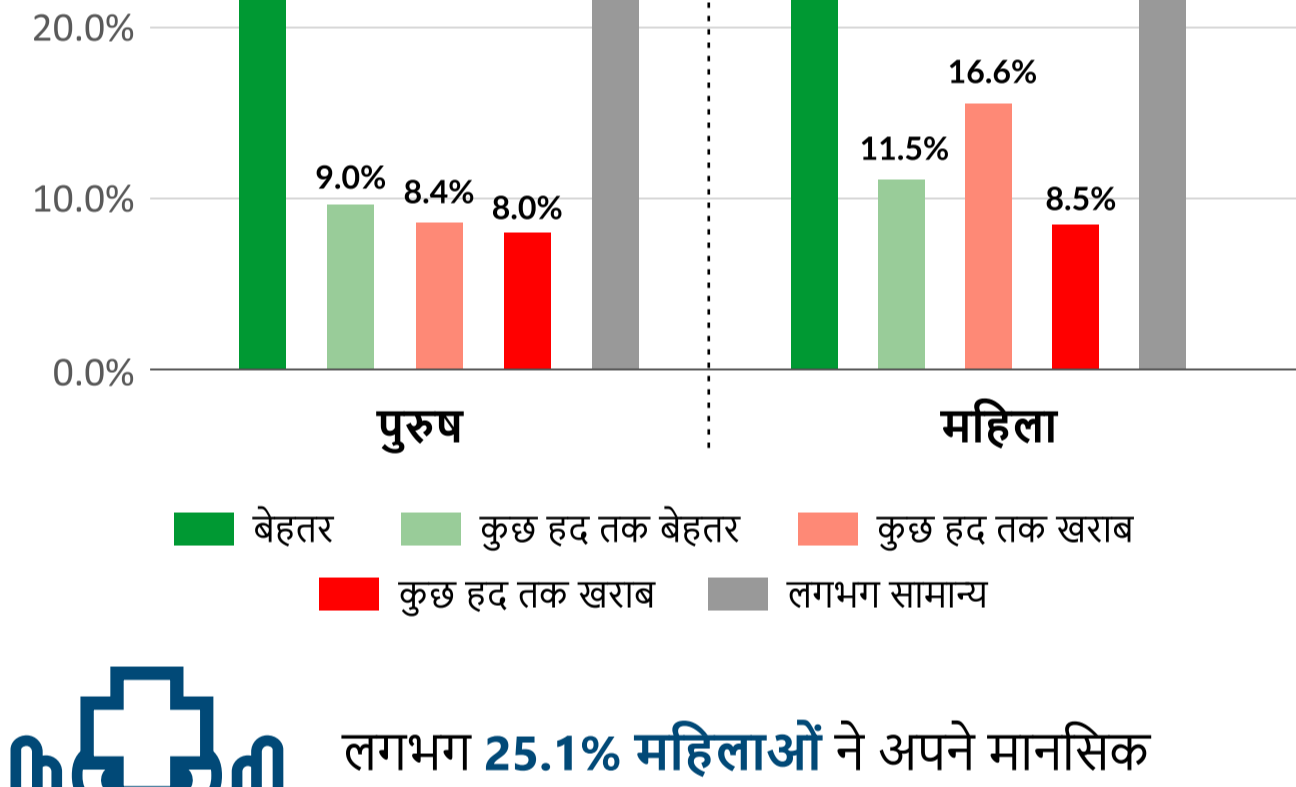
क्या भारतीयों को लगता है कि शारीरिक स्वास्थ्य मानसिक स्वास्थ्य से अधिक महत्वपूर्ण है?



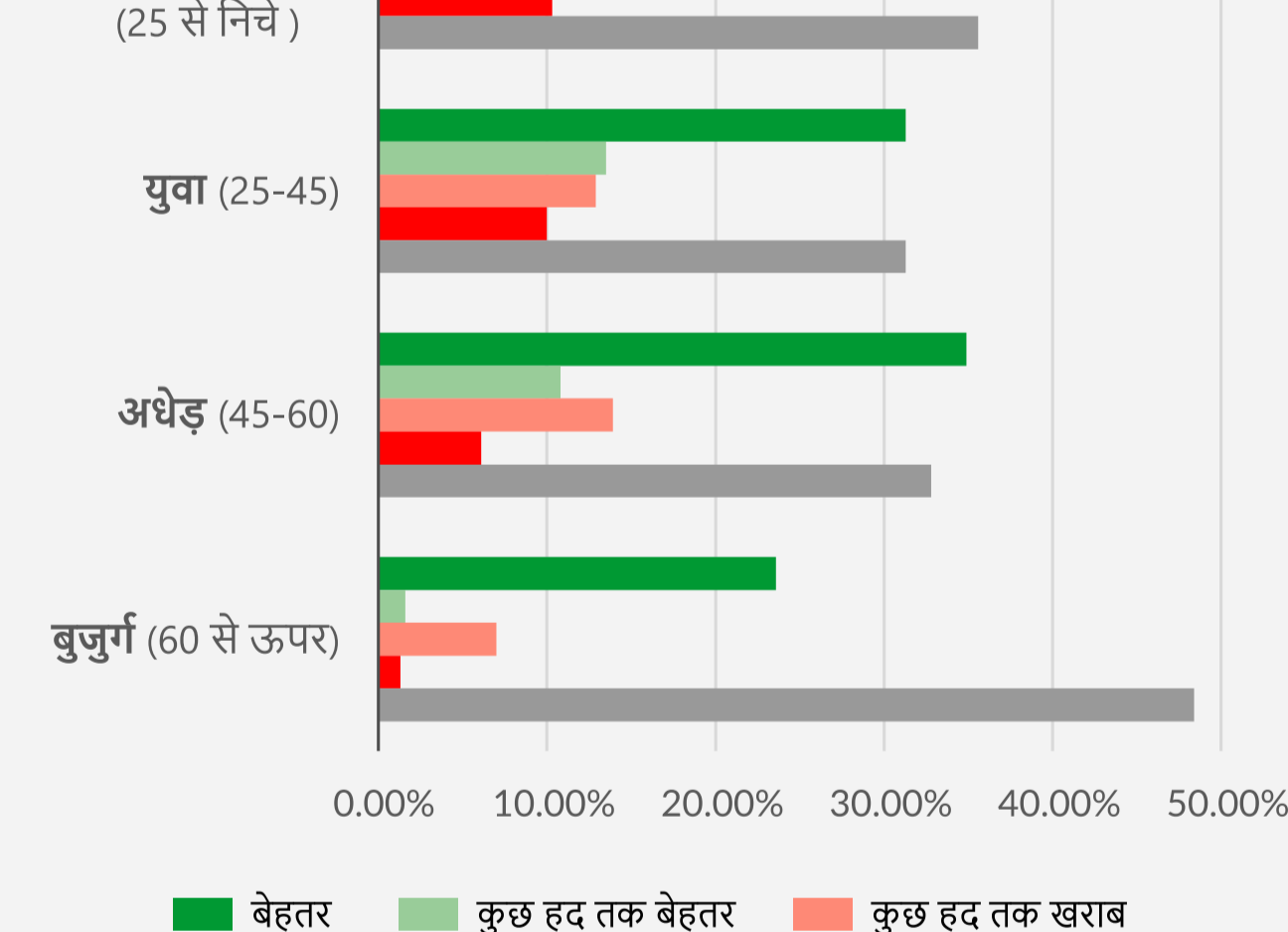
आपके अनुसार शारीरिक स्वास्थ्य की तुलना में मानसिक स्वास्थ्य कितना महत्वपूर्ण है? क्या मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है? क्या मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य की तुलना में कम महत्वपूर्ण है? क्या शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी यह उतना ही महत्वपूर्ण है?



मानसिक स्वास्थ्य के स्तर में सबसे अधिक गिरावट की रिपोर्ट किस समूह ने किया है?



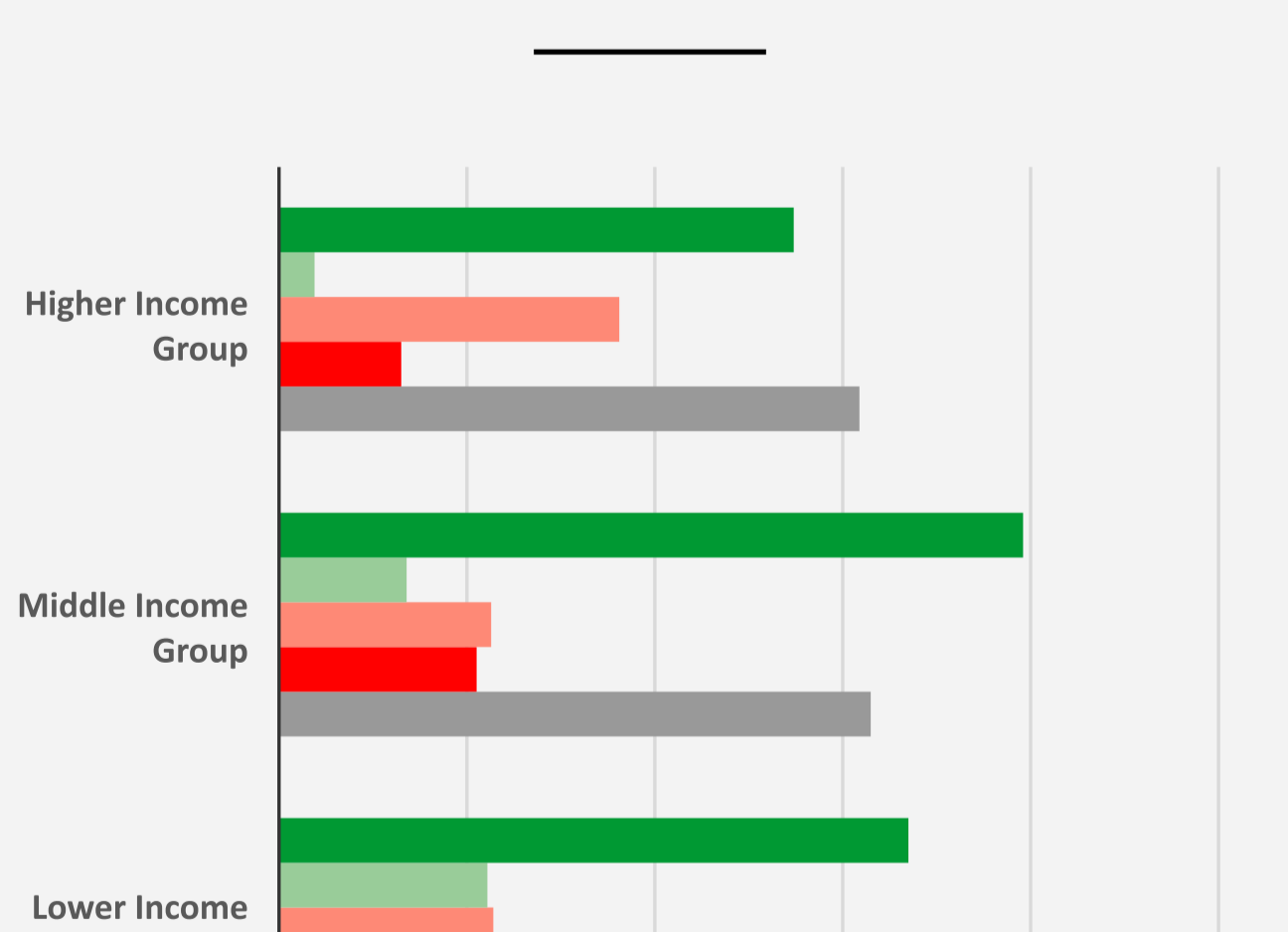
लगभग 25.1% महिलाओं ने अपने मानसिक स्वास्थ्य में कुछ गिरावट दर्ज की है जबकि केवल 16.4% पुरुषों ने ही इसकी सूचना दी है।



मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट के स्तर भी आयु समूहों द्वारा भिन्न थे। सबसे कम आयु वर्ग (25.4%) में सबसे अधिक गिरावट उनके मानसिक स्वास्थ्य (23.4%) में दर्ज की गई, जबकि सबसे पुराने आयु वर्ग (60 और ऊपर) में सबसे कम गिरावट (8.3%) दर्ज की गई।



इसी समय, युवा और मध्यम आयु वर्ग में उत्तरदाताओं का प्रतिशत, जिन्होंने अपने मानसिक स्वास्थ्य में सुधार की सूचना दी, वे वृद्धावस्था समूह की तुलना में बहुत अधिक थे। वृद्धावस्था समूह (48.4%) में उत्तरदाताओं के अधिकांश ने कोरोनावायरस संकट से पहले और अब मानसिक स्वास्थ्य के कुछ हद तक समान स्तर की सूचना दी है।



आय समूहों में मानसिक स्वास्थ्य की तुलना करते समय, हमने पाया कि अल्प आयु वर्ग में 42.5% उत्तरदाताओं ने कोरोनावायरस महामारी से पहले की तुलना में अब बेहतर या कुछ हद तक बेहतर मानसिक स्वास्थ्य की सूचना दी। हालांकि, यह उच्च आय वर्ग में कम है, जिससे केवल 37.4% उत्तरदाताओं ने सुधार की सूचना दी है।



अल्प आय समूह में उत्तरदाताओं के 22.5% ने अपने मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट दर्ज की है, इसके बाद उच्च आय वर्ग में 20% गिरावट दर्ज की गयी है। मध्यम आय वर्ग के लोगों ने अपने मानसिक स्वास्थ्य (18.1%) में सबसे कम गिरावट दर्ज की है।



सभी सर्वेक्षण निष्कर्ष और अनुमान टीम CVoter के कोरोना ट्रैकर मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण तरंगों पर आधारित है जो जून 2020 में 18+ वयस्कों के बीच हर प्रमुख जनसांख्यिकी सहित तरंग 1-3 में सर्वेक्षण किये गए थे।

डेटा को हर राज्य के ज्ञात जनसांख्यिकीय प्रोफाइल में शामिल किया जाता है, जिसमें आयु समूह, सामाजिक समूह, आय, क्षेत्र, लिंग और शिक्षा स्तर शामिल हैं। (नमूने का आकार: 4640)